

# जीवन, मृत्यु और उससे परे: एक इस्लामी परिप्रेक्ष्य

## क्या जीवन एक संयोग है... या इसे विधाता ने नियत किया है?

chatanddecide.com

“  
जीवन व्यर्थ नहीं है। ब्रह्मांड में सब कुछ एक निश्चित व्यवस्था के अनुसार चलता है, तारों की गति से लेकर हृदय की धड़कन तक। सर्वशक्तिमान ईश्वर ने कहा:

{तो क्या तुमने समझ रखा था कि हमने तुम्हें उद्देश्यहीन पैदा किया है और यह कि तुम हमारी ओर नहीं लौटाए[30] जाओगे} [अल्-मुमिनून :115]

इस्लाम हमें सिखाता है कि मानव अस्तित्व शून्य से नहीं आया है, बल्कि इसका एक महान उद्देश्य है: ईश्वर की आराधना करना और स्वयं तथा दूसरों के साथ शांति से रहना। जब आप इस पर विचार करेंगे, तो आपको एहसास होगा कि आपका जीवन केवल गुज़रते दिनों का मामला नहीं है, बल्कि एक शाश्वत अर्थ वाला संदेश है।

## आप आश्वासन की तलाश कहां करते हैं?

chatanddecide.com

“

लोग पैसे, शोहरत और सैर-सपाटे में खुशी ढूँढ़ते हैं...  
लेकिन उनके दिल प्यासे ही रहते हैं। कुरआन साफ़-साफ़  
जवाब देता है:

{सुन लो! अल्लाह की याद ही से दिलों को संतुष्टि मिलती है।}

[अर्-रअद :28]

इस्लाम आपको इस आंतरिक शांति का अनुभव करने के  
लिए आमंत्रित करता है; एक ऐसी शांति जो सबसे कठिन  
परिस्थितियों में भी मौजूद रहती है, क्योंकि यह ईश्वर से  
जुड़ी है, जो अपरिवर्तनीय और अमर है।

”

## हम जीवन में परीक्षाओं से क्यों गुजरते हैं?

chatanddecide.com

“

आप सोच रहे होंगे: दर्द क्यों? दुख क्यों? कुरान इसका जवाब देता है:

{तथा निश्चय हम तुम्हें भय और भूख तथा धनों, प्राणों और फलों की कमी में से किसी न किसी चीज़ के साथ अवश्य आजमाएँगे। और (ऐ नबी!) सब्र करने वालों को शुभ समाचार सुना दें।} [अल्-ब-क़-रा :155]

तथा निश्चय हम तुम्हें भय और भूख तथा धनों, प्राणों और फलों की कमी में से किसी न किसी चीज़ के साथ अवश्य आजमाएँगे। और (ऐ नबी!) सब्र करने वालों को शुभ समाचार सुना दें। परीक्षा कोई सज़ा नहीं, बल्कि आत्मा को निखारने और ईमान को मज़बूत करने की एक शिक्षा है। इस्लाम में, हर धैर्यपूर्ण कार्य का बड़ा सवाब मिलता है

{केवल सब्र करने वालों ही को उनका बदला बिना किसी हिसाब (शुमार) के दिया जाएगा।} [अज़-ज़ुमर :10]

”



क्या आपने कभी सोचा है: मृत्यु के बाद क्या होता है?

chatanddecide.com

“

मृत्यु किसी यात्रा का अंत नहीं है। यह एक नई यात्रा की शुरुआत है। सर्वशक्तिमान ईश्वर ने कहा है:

{प्रत्येक प्राणी को मौत का स्वाद चखना है और तुम्हें क़ियामत के दिन तुम्हारे कर्मों का भरपूर प्रतिफल दिया जाएगा।}

[आले इम्रान :185]

इस्लाम में, यह दुनिया एक अस्थायी पड़ाव है और आखिरत स्थायी मंज़िल है। नेक कर्म उस दिन के लिए तुम्हारी रोज़ी हैं। क्या तुमने अनंत यात्रा के लिए अपना बैग तैयार कर लिया है?

”

## जीवन को अर्थ क्या देता है?

chatanddecide.com

“

ईमान के बिना ज़िंदगी एक बिना मंज़िल के सफ़र की तरह है। कुरआन कहता है:

{“तथा जिसने मेरी नसीहत से मुँह फेरा, तो निःसंदेह उसके लिए तंग[40] जीवन है...”[ताहा :124]}

जो लोग परमेश्वर को जानते हैं, उनके जीवन का प्रत्येक क्षण मूल्यवान और आशापूर्ण होता है।:

{जो भी अच्छा कार्य करे, नर हो अथवा नारी, जबकि वह ईमान वाला हो, तो हम उसे अच्छा जीवन व्यतीत कराएँगे।}

[अन्-नह्ल :97]

”

## क्या इस दुनिया में जीवित रहना आपके लिए पर्याप्त है?

chatanddecide.com

“

आप आर्थिक या स्वास्थ्य संबंधी संकटों से तो बच सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ी मुक्ति आखिरत की यातनाओं से है। सर्वशक्तिमान ईश्वर ने कहा:

{(उस दिन) जो व्यक्ति जहन्नम से बचा लिया गया और जन्नत में प्रवेश पा गया, वह वास्तव में सफल हो गया।} [आले इम्रान :185]

इस्लाम आपके सामने सच्चा लक्ष्य रखता है: ईश्वर की प्रसन्नता और स्वर्ग प्राप्त करना, न कि क्षणिक सांसारिक सफलता से संतुष्ट होना।

”

## अन्धकार में प्रकाश कहाँ से आता है?



“

जब ज़िंदगी में अँधेरा छा जाता है, तो कुरआन एक ऐसा चिराग़ है जो राह रोशन करता है। अल्लाह तआला फ़रमाता है:

{निःसंदेह तुम्हारे पास अल्लाह की ओर से एक प्रकाश तथा स्पष्ट पुस्तक (कुरआन) आई है।} [अल्-माइदा :15]

इस्लाम में, ईश्वरीय ज्ञान केवल शब्द नहीं है, बल्कि एक ऐसा जीवन है जो हृदयों को प्रकाशित करता है और उन्हें आशा प्रदान करता है।

”

क्या आप जानते  
हैं कि क्षमा  
कसिके पास है?

chatanddecide.com

“

लोग आपको क्षमा करें या न करें, परन्तु परमेश्वर ने उन सभी को क्षमा करने का वादा किया है जो सच्चे मन से पश्चाताप करते हैं:

{(ऐ नबी!) आप मेरे उन बंदों से कह दें, जिन्होंने अपने ऊपर अत्याचार किए हैं कि तुम अल्लाह की दया से निराश न हो। निःसंदेह अल्लाह सब पापों को क्षमा कर देता है।} [अज़-ज़ुमर :53]

इस्लाम आपसे कभी निराश न होने का आग्रह करता है, क्योंकि क्षमा का द्वार अंतिम क्षण तक खुला रहता है।

”

## सच्ची आज़ादी का रास्ता क्या है?

chatanddecide.com

“

बहुत से लोग सोचते हैं कि आज़ादी का मतलब अपनी इच्छाओं का बेरोकटोक पालन करना है, लेकिन इससे आत्म-दासता पैदा होती है। इस्लाम में आज़ादी का मतलब है, सिर्फ़ ईश्वर के अलावा सभी गुलामियों से मुक्ति:

{तथा यह कि तुम मेरी ही इबादत करो। यही सीधा मार्ग है।}

[यासीन :61]

सच्ची आज़ादी सत्य के प्रकाश के लिए जीना है, न कि इच्छाओं के अंधकार के लिए।

”

**क्या आपने  
कभी परमेश्वर  
के न्याय के बारे  
में सोचा है?**



chatanddecide.com

“

यह संसार आपके प्रति सदैव न्यायपूर्ण नहीं हो सकता,  
लेकिन परलोक पूर्ण न्याय का क्षेत्र है। :

{और हम क़ियामत के दिन न्याय के तराजू[24] रखेंगे। फिर  
किसी पर कुछ भी जुल्म नहीं किया जाएगा।}

[यासीन :47]

इस्लाम में, ईश्वर का न्याय यह सुनिश्चित करता है कि हर  
आँसू, धैर्य और नेक काम व्यर्थ न जाए।

”